आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 344 | उज्जैन, मंगलवार 04 नवम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मध्यप्रदेश की महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ को एक करोड़ रुपए देगी राज्य सरकार-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रदेश की खेल प्रोत्साहन नीतियों से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिल रही सफलता

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर मध्यप्रदेश की छतरपुर जिले की घुवारा की क्रांति गौड़ को एक करोड़ रूपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। महिला विश्व कप क्रिकेट प्रतियोगिता की विजय यात्रा में भारत को पहली बार विश्व विजेता बनने में क्रांति गौड़ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रविवार रात देश की बेटियों ने आईसीसी महिला एक दिवसीय वनडे वर्ल्ड कप-2025 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत के उच्चतम प्रतिमान स्थापित करते हुए आगे बढ़ने का यह अभूतपूर्व प्रमाण है। साथ ही प्रदेश में खेल को प्रोत्साहित करने के लिए क्रियान्वित योजनाओं का प्रतिफल भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय टीम पहली बार आईसीसी वर्ल्ड चैंपियन बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी खिलाड़ियों और देशवासियों को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जीत पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एमपी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के भवन के लोकार्पण और समाधान योजना के शुभारंभ के बाद मीडिया से चर्चा में ये विचार व्यक्त किए।

इस ऐतिहासिक जीत में प्रदेश की बेटी और टीम की ऑलराउंडर क्रांति गौड़ की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। ऑल राउंडर क्रांति ने पाकिस्तान के खिलाफ (ग्रुप स्टेज) मैच में भी 3 खिलाड़ियों को आउट किया था। इस मुकाबले में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। बुंदेलखंड की बेटी क्रांति गौड़ घरेलु क्रिकेट के साथ अंतरराष्ट्रीय और डब्ल्यूपीएल में अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन से झंडे गाड़ रही हैं। वे परिवार में 6 भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं।

40 विदेश यात्राएं और...; अख्तर कुतुबद्दीन 30 साल तक बना रहा BARC का फर्जी वैज्ञानिक

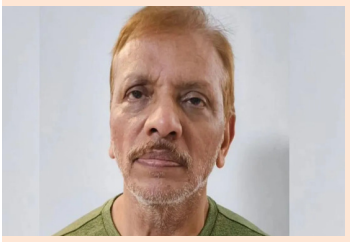

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जो खुद को भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र का वैज्ञानिक बता रहा था। हालांकि, उसकी पहचान फर्जी निकली। इसी पहचान के आधार पर उसने 40 बार विदेश यात्रा की है।

आरोपी की पहचान 60 वर्षीय अख्तर हुसैन कुतुबुद्दीन अहमद के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि वो पिछले 30 साल से BARC का फर्जी साइंटिस्ट बना हुआ है। अख्तर 20 बार ईरान, 15 बार सऊदी अरब समेत मॉस्को, रूस और थाईलैंड की यात्रा कर चुका है।

विदेशी फंडिंग का शक- मुंबई पुलिस ने जब अख्तर से जुड़ी जानकारी खंगाली, तो एक के बाद एक चौंकाने वाले राज सामने आने लगे। अख्तर और उसके भाई आदिल हुसैन के नाम पर कई बैंक खाते मिले। इनमें एक खाता प्राइवेट बैंक का था, जिसमें 2001 में विदेश से भारी मात्रा में पैसा आया था। पुलिस ने अख्तर को यारी रोड से गिरफ्तार किया। वहीं, उसके भाई को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है।

मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी के अनुसार, जांच के अनुसार, अख्तर को 1996 से ही विदेश से पैसे मिल रहे हैं। इनमें ज्यादातर पैसे अमेरिका, ईरान और ईराक जैसे देशों से आते हैं।

अभी नेपाल में बैन करने पर क्या हुआ, देखा ना, पोर्न प्रतिबंध याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा क्यों कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें पोर्नोग्राफी पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सितंबर में नेपाल में हुए जेनरेशन जेड के विरोध प्रदर्शनों से इसकी तुलना करते हुए कहा कि देखिए, नेपाल में प्रतिबंध को लेकर क्या हुआ। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि याचिका पर चार हफ्ते बाद सुनवाई होगी। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश गवई 23 नवंबर को पदमुक्त होने वाले हैं।

याचिकाकर्ता की क्या थी मांग- याचिकाकर्ता ने केंद्र सरकार को पोर्नोग्राफी देखने पर अंकुश लगाने के लिए लिए एक राष्ट्रीय नीति बनाने और एक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश देने की मांग की थी। ये प्रतिबंध उन लोगों के लिए खास थी, जो अभी वयस्क नहीं हुए हैं और सार्वजनिक स्थानों पर ऐसी किसी भी सामग्री को देखने पर रोक लगाने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि डिजिटलीकरण के बाद, हर कोई डिजिटल रूप से जुड़ा हुआ है। शिक्षित हो या अशिक्षित, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

मणिपुर में एक्शन मोड में सुरक्षा बल, प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े आठ उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े आठ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। सभी गिरफ्तारियां रविवार को की गई हैं।

प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (तैयबंगनबा) के तीन सक्रिय कार्यकर्ताओं को थौबल जिले के खोंगजोम बाजार से गिरफ्तार किया गया, जबकि संगठन के एक अन्य सदस्य को इंफाल पूर्व के पुरीरोम्बा से गिरफ्तार किया गया।

केसीपी के दो सदस्य को भी किया गिरफ्तार- एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पी) के दो सदस्यों को भी थौबल जिले के चोंगथम कोना इलाके से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम के वाहेंगबाम लेइकाई इलाके से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के दो सक्रिय कार्यकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया।

अधिकारी ने बताया कि उनके पास से राइफल, ग्रेनेड, कारतूस और पिस्तौल सहित हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया। यूएनएलएफ (पी) ने 2023 में केंद्र के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

हालांकि, पुलिस ने बताया कि संगठन के सदस्यों को जबरन वसूली और अवैध हथियारों की तस्करी में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया जाना जारी है।

फर्जी डॉक्टरों से सावधान! असम पुलिस ने जारी किया खास नंबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम का कछार जिला झोलाछाप डॉक्टरों का गढ़ बन गया है। पुलिस ने 2 और फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। इसी के साथ कुल गिरफ्तारियों की संख्या 17 हो गई है। पुलिस ने पूरे शहर में झोलाछाप डॉक्टरों और नीम हकीमों की तलाश तेज कर दी है। अगस्त से अब तक 17 लोगों को फर्जी डॉक्टर बनकर लोगों का इलाज करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हाल ही में गिरफ्तार किए गए 2 आरोपियों की पहचान 41 वर्षीय सुपाल रॉय और 39 वर्षीय इंद्रजीत रॉय के रूप में हुई है।

पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा- असम पुलिस ने पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी स्थित द्वारबोंद से सुपाल रॉय और तातपारा से इंद्रजीत को हिरासत में लिया। द्वारबोंद पुलिस स्टेशन के पास सुपाल रॉय की फार्मेसी की दुकान भी मौजूद थी। पुलिस ने उसे रंगे हाथों पकड़ा है। वहीं, इंद्रजीत लोगों को घरों पर जाकर दवाईयां देता था, लेकिन उसके पास कोई मेडिकल सर्टिफिकेट नहीं मिला।

असम पुलिस के अनुसार, पिछले 2 महीने से फर्जी और झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ हमारा ऑपरेशन जारी है। हमने कछार के अलग-अलग इलाकों से 17 फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। 2 दिन के भीतर हमने इलाके में ऑपरेट करने वाले 2 अन्य फर्जी डॉक्टरों को पकड़ा है।

पुलिस ने जारी किया नंबर- पुलिस ने कछार में लोगों के लिए हेल्पलाइन नंबर 6026903329 भी जारी किया है।

नशे में धुत व्यक्ति ने महिला को चलती ट्रेन ने फेंका, रेलवे ट्रैक पर मिली लहूलुहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में एक व्यक्ति ने नशे की हालत में महिला को चलती ट्रेन से धक्का दे दिया। इस घटना से पूरी ट्रेन में हड़कंप मच गया। महिला की हालत गंभीर है। उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सुरेश कुमार के रूप में हुई है, जो तिरुवनंतपुरम में वेल्लाराडा का रहने वाला है। रेलवे पुलिस के अनुसार, यह घटना बीती शाम लगभग 8:30 बजे केरल एक्सप्रेस में हुई। ट्रेन वर्कला रेलवे स्टेशन से छूटी ही थी कि आरोपी ने महिला को जबरन पकड़कर ट्रेन से नीचे धकेल दिया।

ये दिव्य अनुभव था..., पीएम मोदी ने पटना साहिब गुरुद्वारे में मत्था टेका, बोले- जो बोले सो निहाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम पटना साहिब गुरुद्वारे में मत्था टेका और इसे दिव्य अनुभव बताया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव के साथ प्रधानमंत्री मोदी नारंगी पगड़ी पहने तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब पहुंचे और मत्था टेका।

प्रधानमंत्री मोदी ने पवित्र जोरे साहिब के भी दर्शन किए। ये गुरु गोबिंद सिंह और उनकी पत्नी माता साहिब कौर की पादुकाएं हैं। इन्हें रविवार को दिल्ली से पटना साहिब गुरुद्वारे तक एक औपचारिक जुलूस के रूप में लाया गया था। उन्होंने गुरुद्वारे के काउंटर से प्रसाद भी लिया और श्रद्धालुओं का अभिवादन करते हुए जो बोले सो निहाल का नारा लगाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने ङ्क पर एक पोस्ट में कहा, आज शाम तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में प्रार्थना करना एक अत्यंत दिव्य अनुभव था। सिख गुरुओं की महान शिक्षाएं संपूर्ण मानव जाति को प्रेरित करती हैं।

उन्होंने कहा कि पटना साहिब गुरुद्वारे का श्री गुरु गोबिंद सिंह जी से गहरा नाता है, जिनका साहस और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता अत्यंत प्रेरणादायक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, वे दिव्य गुरु चरण यात्रा के बाद पटना आए हैं, जिसमें सभी वर्गों के लोग शामिल हुए थे। मैं लोगों से पटना आकर उनके दर्शन करने का आग्रह करता हूं।

यह जोरे साहिब 300 से अधिक वर्षों से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के परिवार के पास था और हाल ही में इसे दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति को सौंप दिया गया था। प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर पटना साहिब गुरुद्वारे में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

विशाल जनसभा को किया संबोधित- इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने आरा और नवादा में एनडीए उम्मीदवारों के लिए चुनावी रैलियों को संबोधित किया। पटना में एक विशाल रोड शो का नेतृत्व करने के बाद, उन्होंने गुरुद्वारे का दौरा किया।

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद भड़के दंगों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने आरा रैली में कहा, यह 1984 में लगभग उसी समय, 1-2 नवंबर को, दिल्ली में सिखों का नरसंहार हुआ था।

तड़के अमेजन ने 14 हजार कर्मचारियों को भेजा टेक्स्ट मैसेज, पढ़ते ही लगा बड़ा सदमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की दिग्गज ई-कंपनी अमेजन ने एक बार फिर से बड़े पैमाने पर छंटनी की है। इस बार कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का कंपनी का तरीका लोगों को हैरान कर रहा है। बताया जा रहा है कि सुबह-सुबह कंपनी की ओर से कर्मचारियों के मोबाइल पर एक टेक्स्ट मैसेज भेजा गया।

सामान्यतः लोगों को लगा कि यह कोई अलर्ट मैसेज है, लेकिन वह नौकरी से निकालने का संदेश था। लोगों को यकीन नहीं हुआ सुबह-सुबह हुआ क्या है। कंपनी की छटनी का ये तरीका लोगों को हैरान कर दिया है।

14,000 लोग हुए प्रभावित- इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के इस फैसले से करीब 14,000 कर्मचारी प्रभावित हुए हैं। बताया जा रहा है कि आज तड़के सुबह कर्माचारियों को दो मैसेज मिले। पहला मैसेज था कि आप अपने ईमेल की जांच करें। वहीं, दूसरे मैसेज में एक हेल्प डेस्क का नंबर दिया गया था। जैसे ही कर्मचारियों ने ईमेल ओपेन किया, तो उन्हें पता चला कि कंपनी में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इससे पहले कि वे ऑफिस पहुंचे, सभी के बैज और लॉगिन एक्सेस एग्जिट कर दिए गए थे।

किस-किस टीम के कर्मचारी हुए प्रभावित- इस छंटनी की चपेट में मुख्य रूप से रिटेल मैनेजमेंट टीम के कर्मचारी आए हैं। कंपनी ने कहा कि यह कदम बिजनेस को सुव्यवस्थित करने और तेजी से इनोवेशन लाने के लिए उठाया गया है। हालांकि, अचानक आए इन संदेशों ने कर्मचारियों को मानसिक रूप से झकझोर दिया है। इस लेऑफ को लेकर सोशल मीडिया पर तमाम प्रकार की चर्चाएं चलने लगी हैं।

अधिकारियों ने क्या कहा- कंपनी ने इतने बड़े स्तर पर हुए लेऑफ के बाद अमेजन के अधिकारियों की प्रतिक्रिया सामने आई है। अमेजन की एचआर हेड बेथ गैलेटी ने एक आंतरिक संदेश में कहा कि प्रभावित कर्मचारियों को 90 दिनों तक का पूरा वेतन, पूरे बेनेफिट्स के साथ मिलेंगे। इसके साथ रिटायरमेंट पैकेज और जॉब प्लेसमेंट सहायता भी दी जाएगी। इस दौरान कंपनी के अधिकारी ने कहा हमें पता है कि यह एक मुश्किल समय है, लेकिन प्रभावित कर्मचारियों का हम सहयोग करेंगे।

अमेजन ने क्यों की इतनी बड़ी छटनी- कंपनी के एक अधिकारी ने साफ किया कि अमेजन की यह रणनीति सिर्फ लागत घटाने के लिए नहीं है, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य एआई है। उन्होंने बताया कि एआई ग्रोथ ने हमारे काम करने के तरीके को बदला है। अब हमें नई टेक्नोलोजी के साथ आगे बढ़ना होगा।

यह भारत की चाल है..., अफगानिस्तान से तनाव के बीच पाक रक्षा मंत्री ने फिर अलापा पुराना राग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान सीमा पर चल रहा तनाव किसी से छिपा नहीं है। मगर, हर बार की तरह इस बार भी पाकिस्तान अपने करतूतों का ठीकरा भारत पर फोड़ रहा है। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का कहना है कि नई दिल्ली पाकिस्तान के खिलाफ साजिश रच रही है।

ख्वाजा आसिफ के अनुसार, भारत, पाकिस्तान को पूर्वी और पश्चिमी मोर्चे पर उलझाकर रखना चाहता है। दुरंद लाइन (पाकिस्तान और अफगानिस्तान सीमा) पर

चल रहा तनाव इसी का हिस्सा है।

ख्वाजा आसिफ ने भारत पर साधा निशाना- जियो न्यूज से बातचीत के दौरान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा, अगर सबूतों की जरूरत पड़ेगी, तो हमारे पास सबूत हैं कि पाकिस्तान में अस्थिरता फैलाने में भारत का हाथ है। भारत पूर्वी और पश्चिमी, दोनों ही मोर्चों पर पाकिस्तान को व्यस्त रखना चाहता है।

हालांकि, ख्वाजा आसिफ अपने बयानों को सच साबित करने के लिए कोई भी सबूत नहीं पेश नहीं कर सके। ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीजफायर करवाने के लिए कतर और तुर्किए की मध्यस्थता का समर्थन किया है।

पाकिस्तान का मानना है कि अफगानिस्तान के मुद्दे का जल्द से जल्द हल निकालना बेहद जरूरी है। अफगान की धरती पर पनप रहे आतंकवाद को खत्म करना होगा। ख्वाजा आसिफ का कहना है कि भारत ने तालिबान को गुमराह करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ भड़काया है।

पाकिस्तान कर रहा है अंडरग्राउंड न्यूक्लियर टेस्ट, ट्रंप ने शहबाज-मुनीर की खोली पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने भारत के लिए असहज करने वाला खुलासा किया है। ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा है कि दुनिया के कई देश चोरी-चुपके परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, रूस, चीन, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान लगातार टेस्ट कर रहे हैं, जबकि अमेरिका पीछे रह गया है।

ट्रंप ने इन देशों को लेकर कहा कि ये देश जमीन के नीचे टेस्ट करते हैं, जहां कोई देख नहीं पाता। सिर्फ हल्की कंपन महसूस होती है। लेकिन अमेरिका खुला समाज है, इसलिए हमें बताना पड़ता है। ट्रंप ने जोर दिया कि अगर दूसरे टेस्ट कर रहे हैं, तो अमेरिका को भी करना चाहिए। भारत के लिए क्यों है चिंता का विषय? भारत लंबे वक्त से पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित आतंकवाद की आग में झुलसता रहा है। दोनों देश परमाणु संपन्न देश हैं। पाकिस्तान के पास परमाणु बम की संख्या के भारत से थोड़ी कम है। यानी भारत के बाद कुल 180 परमाणु हथियार हैं, वहीं पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं।

लेकिन अगर पाकिस्तान दुनिया की नजरों से छिपकर न्यूक्लियर टेस्ट करता है तो इससे उसके हथियारों की संख्या बढ़ जाएगा और फिर भारत के लिए ये असहज करने वाली स्थिति हो सकती है।

कोर्ट से ट्रंप को लगा झटका, पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड की तैनाती पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के ओरेगन की संघीय न्यायाधीश ने रविवार को राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के प्रशासन को पोर्टलैंड में शुक्रवार तक नेशनल गार्ड की तैनाती रोकने का आदेश दिया है।

न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें कोई विश्वसनीय सबूत नहीं मिला कि शहर में विरोध प्रदर्शन बेकाबू हो गए थे। शहर और राज्य ने सितंबर में इस तैनाती को रोकने के लिए मुकदमा दायर किया था।यह पोर्टलैंड, शिकागो और अन्य अमेरिकी शहरों में हफ्तों से चल रही कानूनी खींचतान में नवीनतम घटनाक्रम है।

ट्रंप प्रशासन ने विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए शहर की सड़कों पर नेशनल गार्ड को तैनात करने का कदम उठाया है। न्यायाधीश करिन इमरगुट का यह फैसला तीन दिवसीय सुनवाई के बाद आया, जिसमें दोनों पक्षों ने इस बात पर बहस की कि क्या शहर के अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन भवन में विरोध प्रदर्शन संघीय कानून के तहत घरेलू स्तर पर सेना के इस्तेमाल की शर्तों को पूरा करते हैं। इमरगुट ने कहा कि वह शुक्रवार को अंतिम आदेश जारी करेंगी।

महिला ने ऑनलाइन मंगाई दवाइयां और बॉक्स खोलते ही निकली चीख, अमेरिका में चौंकाने वाला मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन दवाइयां मंगाना एक महिला के लिए जिंदगी का सबसे डरावना अनुभव बन गया। दवाई का पैकेट खोलते ही महिला के होश उड़ गए। वो डर के मारे थर-थर कांपने लगी। उसने तुरंत पुलिस को फोन मिलाया और मामले की पूरी जानकारी दी। यह मामला अमेरिका के केंटकी स्थित हॉपकिंसविले का है। पुलिस ने महिला की पहचान गुप्त रखी है। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार महिला को बुधवार को एक पार्सल मिला, जिसमें दवाइयों की बजाए इंसान के हाथ और उंगलियां थीं। इन्हें बर्फ में पैक करके रखा गया था।

क्या है पूरा मामला- महिला ने इसपर हैरानी जताते हुए कहा, हमें दवाइयों की सख्त जरूरत थी। हमें 2 बॉक्स मिले। जब हमने एक बॉक्स खोला, तो उसमें इंसानी शरीर के अंग थे, जिनका इस्तेमाल शायद ट्रांसप्लांट के लिए होना था। हम जानने की कोशिश कर रहे हैं कि यह किसके हैं और इन्हें कहां भेजना था।

महिला ने पुलिस को फोन मिलाया और पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बॉक्स ले लिया। छानबीन में पता चला कि यह बॉक्स नैशविल मेडिकल ट्रेनिंग फैसिलिटी भेजना था, जिसे गलती से महिला के पास डिलीवर कर दिया गया।

पुलिस ने की महिला की सराहना- पुलिस ने मानव अंगों को सुरक्षित नैशविल पहुंचा दिया है। बॉक्स में मौजूद हाथ और उंगलियां चार अलग-अलग डोनर्स के थे, जो सर्जिकल ट्रेनिंग के लिए भेजे गए थे। वहीं, पुलिस अधिकारियों ने इस ईमानदारी के लिए महिला की भी तारीफ की है।

अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही: 20 की मौत, 300 घायल; कई इलाकों में भीषण नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के उत्तरी हिस्से में भूकंप के तेज झटके महसूस हुए हैं। इस दौरान की इमारतें धराशायी हो गईं, जिसमें 20 लोगों की जान चली गई। वहीं, 300 से अधिक लोग घायल हैं। रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.3 आंकी गई है।

अफगानिस्तान में आए भूकंप का केंद्र खुल्म शहर से 22 किलोमीटर दूर था। इस इलाके में लगभग 5 लाख 23 हजार से अधिक लोग रहते हैं, जिन्हें इस तबाही का सामना करना पड़ा है।

मजार-ए-शरीफ भी गिरी-भूकंप के झटकों का असर मजार-ए-शरीफ पर भी देखने को मिला है, जिसे नीली मस्जिद भी कहा जाता है। यह मस्जिद यहां के पवित्र स्थलों में से एक है, जिसका एक बड़ा हिस्सा भूकंप में धराशायी हो गया है।

मजार-ए-शरीफ के पास मौजूद स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता समीम जॉयंदा के अनुसार, भूकंप में 300 लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस आपदा में 20 लोगों की मौत हो गई है। आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया कि ज्यादातर घायलों को मामूली चोटें आई और इलाज के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

पहले भी भूकंप ने मचाई है तबाही- अफगानिस्तान की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी का कहना है कि भूकंप से हुई तबाही की पूरी जानकारी अभी आंकी नहीं जा सकती है।

दुनिया के इन 9 देशों के पास हैं 12241 परमाणु हथियार, भारत से कितना पीछे है पाकिस्तान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ समय पहले ईरान के परमाणु हथियारों को लेकर दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की कगार पर खड़ी हो गई थी। ईरान और इजरायल की बमबारी के बीच अमेरिका की एंट्री हुई और अमेरिका ने तेहरान के सभी परमाणु ठिकानों को तबाह करने का दावा ठोका था। ईरान ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया। मगर, क्या आप जानते हैं कि वर्तमान में दुनिया के अलग-अलग देशों के पास कुल कितने परमाणु हथियार हैं?

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, जनवरी 2025 तक दुनिया के 9 देशों के पास कुल 12,241 परमाणु हथियार हैं। इस लिस्ट में भारत का नाम भी शामिल है। SIPRI ने ईयरबुक 2025 जारी की है, जिसमें डराने वाले आंकड़े सामने आए हैं। मिडिल ईस्ट में लड़ाई से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच जहां एक तरफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल न करने की पुरजोर कोशिश की जा रही है, तो दूसरी तरफ दुनिया में परमाणु हथियारों की संख्या चौंकाने वाली है।

किस देश के पास कितने परमाणु हथियार- SIPRI की रिपोर्ट के अनुसार, नौ देशों की लिस्ट में अमेरिका, रूस, यूके, फ्रांस, चीन, पाकिस्तान, इजरायल और उत्तर कोरिया का नाम शामिल है।

सख्ती से निपटा जाएगा, 3 हजार करोड़ रुपये के डिजिटल अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 3 नवंबर, 2025 को डिजिटल अरेस्ट से सख्ती से निपटने की बात कही है। इन मामलों में साइबर क्रिमिनल लोगों को नकली सरकारी अधिकारी, पुलिस के अधिकारी या फिर जांच अधिकारी बनकर खासकर बुजर्गों को डिजिटल अरेस्ट कर लेते हैं और पैसे ऐंठते हैं।

अदालत ने यह भी कहा कि पीड़ितों से लगभग 3 हजार करोड़ रुपये वसूले गए हैं और यह समस्या आगे बढ़ने वाली है। जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि कोर्ट इस मुद्दे पर सभी पार्टियों को सुनेगा और एक न्यायमित्र, वरिष्ठ वकील एनएस नप्पिनई की नियुक्ति करेगा। मामले पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है।

मामले में सख्ती से निपटा जाएगा-जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, यह चौंकाने वाला मामला है कि अकेले हमारे देश में पीड़ितों से लगभग 3,000 करोड़ रुपये वसूले गए हैं। अगर हम इसे अभी नजरंदाज करते हैं और कड़े और सख्त आदेश पारित नहीं करते हैं तो समस्या और बढ़ जाएगी। हम इससे सख्ती से निपटने का पक्का इरादा रखते हैं।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सबसे दुखद बात यह है कि पीड़ित खासकर बुजुर्ग लोग हैं। उन्होंने कोर्ट को बताया कि गृह मंत्रालय में एक स्पेशल यूनिट है जो ऐसी शिकायतों की जांच कर रही है। उन्होंने विस्तारित रिपोर्ट फाइल करने के लिए समय की मांग की।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा- मामले पर बात करते हुए अदालत ने कहा कि इससे निपटने के लिए डोमेन एक्सपर्ट्स की जरूरत पड़ सकती है।

कर्मचारियों को हफ्ते में एक दिन ट्रेडिशनल पहनना अनिवार्य, राज्य सरकार ने ड्रेस कोड को लेकर जारी किया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिक्किम में हर गुरुवार को दफ्तरों में पारंपरिक परिधान की चमक दिखेगी। सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए ट्रेडिशनल वेयर वर्क डे की घोषणा कर दी है। माना जा रहा है कि राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को इससे नई ऊंचाई मिलेगी। गंगटोक से यह बड़ी खबर आ रही है कि अब हर गुरुवार को सरकारी दफ्तरों में पारंपरिक कपड़ों की रौनक दिखेगी।

सोमवार को जारी सर्कुलर के अनुसार, सिक्किम सरकार ने सभी सरकारी कर्मचारियों, पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (पीएसयू) और बैंकों के लिए यह नियम लागू किया है। इसका मकसद राज्य की अनोखी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व पैदा करना और पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देना है।

सांस्कृतिक गौरव का नया अध्याय- गृह विभाग के सर्कुलर में साफ कहा गया है कि सिक्किम की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और सदियों पुरानी परंपराएं राज्य की पहचान हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए हर गुरुवार को ट्रेडिशनल वेयर वर्क डे मनाया जाएगा। सभी अधिकारी और कर्मचारी सिक्किम की विविध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाले पारंपरिक परिधान पहनकर दफ्तर आएंगे।

अब दोबारा नहीं आऊंगी, केरल में टैक्सी ड्राइवरों ने मुंबई की टूरिस्ट को किया प्रताड़ित तो बीच में ही छोड़ना पड़ा ट्रिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई की एक टूरिस्ट को केरल के मुन्नार में टैक्सी ड्राइवरों ने परेशान किया, जिससे उसे ट्रिप बीच में ही छोड़कर सुरक्षित जगह पर लौटना पड़ा। जानवी नाम की महिला को कथित तौर पर ऑनलाइन टैक्सी इस्तेमाल करने से रोक दिया गया और कोर्ट ऑर्डर का हवाला देकर लोकल टैक्सी लेने के लिए मजबूर किया गया।

मुंबई की असिस्टेंट प्रोफेसर जानवी को कथित तौर पर पुलिस या केरल टूरिज्म डिपार्टमेंट से कोई मदद नहीं मिली। जब उसने ऑनलाइन अपनी आपबीती बताई, तभी केस दर्ज किया गया।

इंटरनेट पर शेयर किए गए तीन मिनट के वीडियो में, जानवी ने सबूतों के साथ घटना की डिटेल में बताया। वीडियो की शुरुआत में जानवी केरल की सुंदरता की तारीफ करती हैं लेकिन यह भी कहती हैं कि वह शायद दोबारा वहां न जाएं।

महिला प्रोफेसर ने कहा, उनकी ट्रिप की शुरुआत कोच्चि और एलेप्पी से हुई, वहां के लोग बहुत अच्छे, बहुत दयालु और स्वागत करने वाले हैं। इसके बाद मैंने मुन्नार जाने का फैसला किया। इस फैसले ने इस ट्रिप को हमेशा याद रखने के मेरे तरीके को बदल दिया। जब वह मुन्नार के लिए निकल रही थीं तो होस्ट ने उसे यूं ही बताया था कि मुन्नार में ऑनलाइन कैब (ओला या ऊबर) पिकअप की अनुमति नहीं है। जबकि जानवी ने इसे पहले ही बुक कर लिया था।

राजनीतिक पार्टी के नियमों को लेकर दायर हुई याचिका, SC ने चुनाव आयोग को भेजा नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चुनाव आयोग और केंद्र को उस याचिका पर नोटिस जारी किया जिसमें यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी कि प्रत्येक राजनीतिक दल अपनी आधिकारिक वेबसाइट के होम पेज पर अपने ज्ञापन, नियम और विनियम प्रकाशित करें।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने चुनाव आयोग, विधि मंत्रालय और विधि आयोग से जवाब मांगा है। यह आवेदन अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की ओर से पहले से लंबित एक जनहित याचिका में दायर किया गया था।

इस याचिका धर्मनिरपेक्षता, पारदर्शिता और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक दलों के पंजीकरण और विनियमन के लिए नियम बनाने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

शासन व्यवस्था राजनीतिक दलों के इर्द-गिर्द घूमती है- आवेदन में चुनाव आयोग को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 29बी और धारा 29सी का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित आदेश या निर्देश जारी करने और अनुपालन रिपोर्ट अदालत के समक्ष पेश करने के लिए अपनी पूरी शक्ति का इस्तेमाल करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। आवेदन में कहा गया है, राजनीतिक दलों को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 29ए के तहत वैधानिक दर्जा दिया गया है और उनसे कानून द्वारा स्थापित संविधान के प्रति सच्ची आस्था और निष्ठा रखने की अपेक्षा की जाती है। राजनीतिक दल उम्मीदवारों को टिकट देते हैं और लोग पार्टी के चुनाव चिन्ह पर वोट देते हैं, इसलिए राजनीतिक दल लोकतांत्रिक शासन के महत्वपूर्ण अंग हैं और एक सार्वजनिक प्राधिकरण की तरह काम करते हैं।

बीवी-बच्चे से भी बात नहीं करता, अकेला बैठा रहता हूं..., एअर इंडिया प्लेन क्रैश में जिंदा बचे विश्वासकुमार रमेश ने सुनाया दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे में एकमात्र शख्स विश्वासकुमार रमेश जिंदा बचा था। लेकिन हादसे में जिंदा बचने के बावजूद विश्वासकुमार रमेश की जिंदगी पहले जैसी नहीं रही। बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू ने विश्वासकुमार रमेश ने अपनी व्यथा साझा की है।

उन्होंने कहा कि मैं अकेला जीवित बचा हूं, लेकिन फिर भी मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। यह एक चमत्कार है। लेकिन मैंने अपने भाई को खो दिया। मेरा भाई ही मेरी रीढ़ था। उसने हमेशा मेरा साथ दिया है। रमेश ने कहा कि वो बस अकेले कमरे में बैठे रहते हैं। पत्नी-बेटे किसी से भी बात नहीं करते।

सारी रात सोचता रहता हूं- उन्होंने कहा, अब मैं अकेला हूं। मैं अपने कमरे में बस अकेला बैठा रहता हूं। अपनी पत्नी या बेटे से भी बात नहीं करता। मुझे बस अपने घर में अकेले रहना पसंद है। इस हादसे के बाद मेरे और मेरे परिवार के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से यह सब कुछ सहना कठिन है।

विश्वासकुमार रमेश ने आगे कहा, पिछले 4 महीने से मेरी मां हर दिन दरवाजे के बाहर बैठी रहती है। बिना बात किए। वो और कुछ भी नहीं करती। मुझे अब किसी से भी बात करना पसंद नहीं है। मैं ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। मैं सारी रात बस सोचता रहता हूं। मैं मानसिक रूप से पीड़ित हूं।

PTSD के शिकार हैं रमेश- विश्वासकुमार रमेश ने बताया है कि पैर, कंधे, घुटने और पीठ में लगातार दर्द के कारण वह काम नहीं कर पा रहे हैं और न ही गाड़ी चला पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब वह चल नहीं पाते, तो उनकी पत्नी मदद करती है। बता दें कि उन्हें पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर हो गया है। बताया जा रहा है कि जब से वह भारत से लीसेस्टर लौटे हैं, तब से उन्हें कोई इलाज भी नहीं मिला है।

दीव में विश्वासकुमार रमेश का पारिवारिक मछली पकड़ने का बिजनेस है, जिसे वह अपने भाई के साथ मिलकर चलाते थे।

जयपुर में डंपर का कहर, 17 गाड़ियों को मारी टक्कर; 13 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के जयपुर में भीषण सड़क हादसा हुआ है, जहां एक डंपर ने 17 गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस घटना में 13 लोगों की मौत हो गई और 18 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

यह हादसा दोपहर करीब 1 बजे हुआ जब रोड नंबर 14 से आ रहा एक ट्रक एक पेट्रोल पंप के पास हाईवे पर घुसने की कोशिश कर रहा था। पुलिस के अनुसार, तीन घायलों को इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

जयपुर कलेक्टर ने बताया कि हरमाड़ा इलाके में एक तेज रफ्तार डंपर के कई वाहनों से टकराने से 13 लोगों की मौत हो गई और इतने ही लोग घायल हो गए। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, जयपुर के हरमाड़ा में डंपर ने कई वाहनों को टक्कर मार दी, जिसमें 13 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

वीडियो में दिखा भयावह मंजर- समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में इस भीषण दुर्घटना के बाद का मंजर दिखाया गया है, जिसमें यातायात धीरे-धीरे सामान्य होता दिख रहा है। तस्वीरों में क्षतिग्रस्त वाहन और क्षतिग्रस्त डंपर का मलबा सड़क किनारे पड़ा देखा जा सकता है, जबकि अधिकारी इलाके को साफ करने का काम कर रहे हैं। आसपास के लोग भी घटनास्थल पर जमा हो गए हैं।

सीएम ने दिए निर्देश- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस हादसे को बेहद दुखद और हृदय विदारक बताया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि घायलों का समुचित इलाज कराया जाए। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷जयपुर के हरमाड़ा थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए गए हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति दें।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

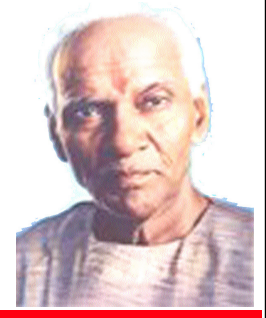

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थदशी

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर मानव जीवन का सबसे बड़ा सत्य यह है कि कर्म के बिना कोई फल नहीं...

वैश्विक स्तरपर मानव जीवन का सबसे बड़ा सत्य यह है कि कर्म के बिना कोई फल नहीं। जो बोएगा वही पाएगा, तेरा किया आगे आएगायह केवल एक कहावत नहीं बल्कि समूचे जीवन का सिद्धांत है।यह वाक्य धार्मिक, सामाजिक, आध्यात्मिक और राजनीतिक, चारों स्तरों पर समान रूप से लागू होता है। हर धर्म, हर दर्शन और हर सभ्यता ने किसी न किसी रूप में कर्म के परिणाम को स्वीकार किया है। आज जब दुनिययाँ तेज़ रफ़्तार से आगे बढ़ रही है, तब यह पंक्ति हमें चेतावनी देती है कि हर क्रिया का परिणाम निश्चित है,चाहे वह व्यक्ति का कर्म हो या राष्ट्र की नीतियाँ।

साथियों बात अगर हम इस बात को धार्मिक दृष्टिकोण से देखकर समझने की करें तो, ईश्वर न्यायकारी है, पर कर्म निर्णायक हैं, हर धर्म की आत्मा में कर्म का सिद्धांत रचा-बसा है।हिंदू धर्म में कहा गया है,कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचनअर्थात मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है,फल की चिंता उसे नहीं करनी चाहिए, क्योंकि फल तो उसके कर्मों का ही परिणाम है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में स्पष्ट किया कि अच्छे कर्म शुभ फल लाते हैं, और अधर्म विनाश का कारण बनता है।बौद्ध धर्म में भी यही सिद्धांत कर्म और कर्मफल के रूप में समझाया गया है,कि प्रत्येक प्राणी अपने कर्मों से ही पुनर्जन्म या मुक्ति प्राप्त करता है।इस्लाम में भी कुरान कहता है कि हर आत्मा अपने कर्मों के बदले जवाबदेह होगी। इसी प्रकार ईसाई धर्म में यह वाक्य मिलता हैएस यू सॉव, सो शेल्ल यू रीप. यानी जो तुम बोओगे, वही काटोगे,इन सब धर्मों का निष्कर्ष यही है कि ईश्वर निष्पक्ष है, परंतु कर्म ही भविष्य का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

साथियों बात अगर हम इस बात को आध्यात्मिक दृष्टिकोण से समझने की कोशिश करें तो,कर्म ही आत्मा की यात्रा का साधन, आध्यात्मिकता का उद्देश्य केवल मोक्ष या मुक्ति नहीं, बल्कि आत्म-साक्षात्कार है। आत्मा शाश्वत है, परंतु उसके अनुभव कर्मों से निर्मित होते हैं।

यदि कोई व्यक्ति प्रेम, सत्य और दया का बीज बोता है, तो उसकी आत्मा शांति और आनंद का फल प्राप्त करती है। परंतु यदि वह घृणा, लोभ और हिंसा का बीज बोता है, तो उसका परिणाम पीड़ा और अशांति के रूप में सामने आता है। आध्यात्मिक दृष्टि से कर्म योग ही जीवन का परम मार्ग है,जब व्यक्ति बिना स्वार्थ, बिना अहंकार, केवल कर्तव्य भावना से कार्य करता है, तब वह ईश्वर के समीप पहुँचता है।आज के युग में जब तनाव, प्रतिस्पर्धा और असंतोष बढ़ गया है, तब यह संदेश अत्यंत प्रासंगिक है कि मनुष्य का प्रत्येक कर्म उसके भीतर ऊर्जा के रूप में अंकित होता है। वही ऊर्जा भविष्य में सुख या दुख के रूप में उसे लौटती है।

साथियों बात अगर हम इस बात को सामाजिक दृष्टिकोण से समझने की करें तो, जैसा समाज बोएगा, वैसा ही फल पाएगा, समाज व्यक्तियों से बनता है, और व्यक्तियों के कर्मों का सम्मिलित प्रभाव ही समाज की दिशा तय करता है।,यदि समाज शिक्षा, समानता, और सेवा का बीज बोता है, तो वह प्रगति, शांति और भाईचारे का फल पाता है।पर यदि समाज जातिवाद, भ्रष्टाचार, हिंसा और असहिष्णुता का बीज बोता है, तो उसका परिणाम अव्यवस्था, गरीबी और विघटन के रूप में प्रकट होता है।भारत जैसे देश में, जहाँ वसुधैव कुटुम्बकम् का आदर्श रहा है, वहां आज भी यह पंक्ति सामाजिक नैतिकता की रीढ़ है।हर नागरिक यदि अपने स्तर पर ईमानदारी, सह-अस्तित्व और सेवा की भावना अपनाए,तो राष्ट्र स्वयं बदल जाएगा सामाजिक विज्ञान कहता है कि सामूहिक कर्म संस्कृति बनाते हैं, और संस्कृति राष्ट्र की पहचान। इसलिए समाज का प्रत्येक कदम आने वाली पीढ़ियों का बीज है,जैसा आज हम बो रहे हैं, वैसा ही कल हमारा समाज पाएगा।

साथियों बातें कर हम इस बात को राजनीतिक दृष्टिकोण से समझने की करें तो,राजनीति में भी कर्मफल का अटल नियम हैं,राजनीति वह मंच है जहाँ राष्ट्र का भाग्य लिखा जाता है। परंतु यहाँ भी कर्म का सिद्धांत उतना ही प्रबल है।

विश्व पशु कल्याण दिवस

विश्व पशु कल्याण दिवस प्रतिवर्ष 4 अक्टूबर को मनाया जाता है। वर्तमान में जानवरों की सुरक्षा सबसे बड़ा विषय बनकर रह गया है। पिछले 40-50 सालों में जानवरों की स्थिति इतनी बद्तर हुई है, जिसका अंदाजा लगाने से भी रूह कांप जाती है। जानवरों में पिछले 1970 से 2010 के मध्य लगभग 50 प्रतिशत कमी आयी है। आज की दुनिया में मानव खुद जानवर बनता चला जा रहा है। एनातोले फ्रांस ने कहा था कि- जब तक इंसान किसी जानवर से प्रेम नहीं करता, तब तक उसकी आत्मा का एक हिस्सा सोया हुआ होता है। एक सर्वे में जारी रिपोर्ट में पता चला कि प्रत्येक वर्ष विश्वभर में लगभग 56 अरब जानवरों की हत्या कर दी जाती है, चाहे वह धार्मिक उद्देश्य से हो या अन्य कारणों से। दुनिया भर में हर सेकेण्ड लगभग 3000 जानवरों की मृत्यु हो जाती है। इस सृष्टी के रचयिता ने दुनिया में सभी को समान जीवन का अवसर प्रदान किया है, परन्तु मनुष्य स्वार्थरत जानवरों की बलि चढ़ा देता है, जिसका प्रभाव समाज एवं पर्यावरण में सीधे तौर पर पड़ा है।

शुरुआत- विश्व पशु कल्याण दिवस 4 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह एक अन्तरराष्ट्रीय दिवस है। यह दिन असीसी केसेंट फ्रांसिस का जन्मदिवस भी है जो कि जानवरों के महान संरक्षक थे। विश्व पशु कल्याण दिवस मनाने की शुरुआत 1931 ईस्वी में परिस्थिति विज्ञानशास्त्रियों के सम्मलेन में इटली के शहर फ्लोरेंस में की गयी थी। संयुक्त राष्ट्र ने पशु कल्याण पर एक सार्वभौम घोषणा के नियम एवं निर्देशों के अधीन अनेक अभियानों की शुरुआत की। नैतिकता की दृष्टि से, संयुक्त राष्ट्र ने अपने सार्वभौम घोषणा में पशुओं के दर्द और पीड़ा के सन्दर्भ में उन्हें संवेदनशील प्राणी के रूप में पहचान देने की बात की। इस दिवस का मूल उद्देश्य विलुप्त हुए प्राणियों की रक्षा करना और मानव से उनके संबंधों को मजबूत करना था। साथ ही पशुओं के कल्याण के सन्दर्भ में विश्व पशु कल्याण दिवस का आयोजन करना था। हिन्दुओं की आस्था के प्रतीक गौमाता की हत्या पर पूर्ण पाबन्दी हो।

उद्देश्य- विश्व पशु कल्याण दिवस का मूल उद्देश्य पशु कल्याण मानकों में सुधार करना और व्यक्तियों, समूह और संगठनों का समर्थन प्राप्त करना और जानवरों के प्रति प्यार प्रकट करना ताकि उनका जीवन सक्षम और बेहतर हो सके। इस कारण से यह दिवस पशु प्रेमी दिवस के रूप में जाना जाता है। यह एक बेहतरीन दिवस है, जो विश्व भर के लोगों का जानवरों के प्रति प्यार प्रकट करने का महत्वपूर्ण दिवस है, लेकिन इस दिवस के उजागर होने के पीछे भी कई कारण जिम्मेदार हैं। इन सभी तथ्यों में जानवरों के प्रति प्रकट किये जाने वाले घृणास्पद व्यवहार, आवारा कुत्तों और बिल्लियों के प्रति व्यवहार, उनका अमानवीय व्यापार आदि भी प्रमुख कारण थे। इसके अलावा किसी प्राकृतिक आपदा के समय भी इन जानवरों के प्रति दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता था और उनकी सुरक्षा के प्रति लापरवाही बरती जाती थी।

समारोह- विश्व पशु कल्याण दिवस वास्तव में एक महत्वपूर्ण दिवस है। यह विविध माध्यमों से हमें कई चीजों को याद दिलाता है, जिसमें जानवर हमारे जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि करते हैं। इस दिवस को ढेर सारे दिवसों का आयोजन किया जाता है। अर्थात जैसे विश्व पशु कल्याण अभियान, पशुओं के लिए बचाव आश्रयों का उद्घाटन और फंड जुटाने से सम्बंधित कार्यक्रमों का आयोजन इत्यादि। इसके अलावा स्कूल और कालेजों में भी वन्य जीवों से जुडी ढेर सारी जानकारियों को टीवी और कंप्यूटर के माध्यम से साझा किया जाता है। इसके अलावा कई संगठनों के द्वारा जानवरों के लिए आश्रय के निर्माण का कार्यक्रम भी स्वयंसेवको के द्वारा प्रायोजित किया जाता है।

क़ानून- पशु कल्याण के लिए अनेकों क़ानूनों और अधिनियमों की भी व्यवस्था की गयी है, जैसे- पशु क्रूरता अधिनियम 1835 जोकि विश्व में जानवरों के सन्दर्भ में प्रथम अधिनियम है जिसकी स्थापना ब्रिटेन में की गयी थी। इसके पश्चात पशुसंरक्षण अधिनियम 1911 प्रकाश में आया। जिसके परिणामस्वरूप जानवरों की रक्षा के लिए पशु कल्याण अधिनियम, 1966? नामक अमेरिकी राष्ट्रीय क़ानून प्रकाश में आया। भारत में पशुओं की सुरक्षा के लिए जानवरों के प्रति क्रूरता की रोकथाम अधिनियम 1966? को लाया गया। यह वर्ष 1965 का समय था, जब ब्रिटेन सरकार ने जानवरों के कल्याण के लिए एक जांच अभियान शुरू किया था। इस अभियान के प्रमुख अन्वेषक प्रोफेसर रोजर ब्राम्बेल थे। यह अभियान रुथ हैरिसन की किताब एनिमल मशीन में उठायी गयी चिंताओं ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया था। इस किताब क प्रकाशन 1964 में किया गया था।

इस सन्दर्भ में प्रोफेसर रोजर ब्राम्बेल नें अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट के आधार पर ब्रिटेन की सरकार नें सन 1967 में एनिमल वेलफेयर एडवाइजरी समिति की स्थापना की। बाद में यह समिति वर्ष 1979 फार्म एनिमल वेलफेयर कौंसिल में परिवर्तित हो गयी।

इस समिति के प्रथम दिशा-निर्देशों के अनुसार यह कहा गया कि सर्वप्रथम जानवरों को सोने और खड़े होने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। साथ ही उन्हें घुमाने और विचरण करने की भी स्वतंत्रता होनी चाहिए। इसके अलावा भी इस समिति नें कुछ दिशा-निर्देशों को दिया जिसे फाइव फ्रीडम के नाम से भी जाना जाता है।

ब्रिटेन में, 'पशु कल्याण अधिनियम 2006 ने पशु कल्याण के सन्दर्भ में अनेक समेकन का कार्य किया। इसके बाद अनेक संगठनों नें यूनाइटेड नेशंस (पशु कल्याण पर एक सार्वभौम घोषणा) के दिशा-निर्देशों के अधीन अनेक अभियानों को प्रारंभ किया। नैतिकता की दृष्टि से, संयुक्त राष्ट्र ने अपने सार्वभौम घोषणा में पशुओ के दर्द और पीड़ा के सन्दर्भ में उन्हें संवेदनशील प्राणी के रूप में पहचान देने की बात की। इसके पश्चात उसने यह भी कहा कि जानवरों के सन्दर्भ में किये जाने वाले सभी कल्याणकारी कार्य समाज सेवा के रूप में हैं। इसे न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि वैश्विक स्तर पर भी फैलाया जाना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति के कर्तव्यों में शामिल किया जाना चाहिए। पशुओ के कल्याणकारी कार्यों के सन्दर्भ में किये जाने वाले कार्य विविध महत्वपूर्ण संगठनों के सहयोग से किया जाना चाहिए। साथ ही ह्यूमन सोसाइटी इंटरनेशनल का भी सहयोग लिया जाना चाहिए।

पशु कल्याण पखवाड़ा- पशुपालन विभाग द्वारा पशु कल्याण पखवाडा आयोजित किया जाता है। इस दौरान बांझ निवारण, पशु शल्य चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता है। शिविरों के दौरान पशु क्रूरता की रोकथाम एवं लाभान्वित पशु पालकों व जीव जन्तु कल्याण से संबंधित कार्यो की प्रगति की जानकारी भी उपलब्ध करायी जाती है। विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों, नगरपालिकाओं, गौशालाओं में चेतना शिविर, गोष्ठियों एवं पशु कल्याण जन जागृति रैलियों का आयोजन किया जाता है। इन दिवसों में समस्त राज्य में पशु-पक्षियों का वध करना एवं मांस आदि की बिक्री पर अनिवार्य रूप से प्रतिबंध रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में जिला एवं ग्रामीण स्तर पर कार्यरत स्वयं सेवी संस्थाओं तथा गैर सरकारी संस्थाओं की भी भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से जीव जन्तुओं के प्रति क्रूरता निवारण पर आधारित व्याख्यानों के माध्यम से जानकारी दी जाए तथा संबंधित विषय पर चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएँ।

जानवरों के प्रति प्यार प्रकट करने का दिवस- विश्व पशु कल्याण दिवस एक बेहतरीन दिवस है, जो विश्व भर के लोगों का जानवरों के प्रति प्यार प्रकट करने का महत्वपूर्ण दिवस है, लेकिन इस दिवस के उजागर होने के पीछे भी कई कारण हैं। जहाँ पशुओं की विभिन्न प्रजातियों को विलुप्त होने से बचाने और उनकी रक्षा करने की बात है, वहीं हमें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि हम पशुओं पर क्रूरता करने से बचें। इस दिवस का मूल उद्देश्य विलुप्त हुए प्राणियों की रक्षा करना और मानव से उनके संबंधों को मजबूत करना था। साथ ही पशुओं के कल्याण के सन्दर्भ विश्व पशु कल्याण दिवस का आयोजन करना है। ताकि उनके प्रति संवेदना स्थापित करने के साथ-साथ पशुओं की हत्या और क्रूरता पर रोक लगायी जा सके। गोहत्या पर पूर्ण पाबन्दी लगायी जाये।

नवंबर में शेयर बाजार की सपाट शुरुआत, Nifty-Sensex हरे निशान में बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में नवंबर के पहले सप्ताह की शुरुआत हल्की बढ़त के साथ हुई है, लेकिन बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी50 ने 25800 के अहम स्तर के नीचे ही क्लोजिंग दी है। इंट्रा डे के दौरान निफ्टी ने 25700 का लेवल भी तोड़ दिया लेकिन बंद 25763 के स्तर पर हुआ। वहीं, सेंसेक्स 24 प्वाइंट की तेजी के साथ 83,963 के स्तर पर क्लोज हुआ।

आज के कारोबारी सत्र में आईटी और एफएमसीजी को छोड़कर सभी सेक्टर्स के शेयरों में हल्की खरीदारी देखने को मिली।

वहीं, सबसे ज्यादा तेजी रियल्टी शेयरों में रही और निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ बंद हुआ। इसके अलावा, पीएसयू बैंक इंडेक्स करीब 2 फीसदी और निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.20 फीसदी की तेजी पर बंद हुए।

निफ्टी के टॉप गेनर शेयरों में श्रीराम फाइनेंस, टाटा कंज्यूमर, अपोलो हॉस्पिटल, एम एंड एम और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल रहे।

वहीं, टॉप लूजर में मारुति सुजुकी, आईटीसी, टीसीएस और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर रहे।

अब कहां है बाजार की नजर- निफ्टी में 26100 के स्तर से गिरावट हावी हुई है और अब बाजार को नई तेजी के लिए ताजा ट्रिगर की जरूरत है। एक्सपर्ट्स की मानें तो निवेशकों की नजरें आगामी कॉर्पोरेट अर्निंग, अहम पॉलिसी डिसीजन और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर हैं।

इस कड़ी में भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील मार्केट को नई दिशा दे सकती है। वहीं, घरेलू मोर्चे पर बिहार विधानसभा चुनावों पर निवेशक नजर बनाए हुए हैं। फिलहाल बाजार में कंसोलिडेशन जारी है, ऐसे में ट्रेडर व इन्वेस्टर्स को स्टॉक स्पेसिफिक एप्रोच के साथ चलना चाहिए।

टाटा मोटर्स के बाद इस कंपनी ने अलग किया अपना इंटरनेशनल बिजनेस, शेयरों का होगा बंटवारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स ने एक बड़ा एलान किया है। दरअसल कंपनी ने सोमवार को घोषणा की है कि इसने इंटरनेशनल सप्लाई चेन कारोबार के साथ-साथ घरेलू कारोबार का विभाजन कर दिया है, जो कि एक नवंबर से प्रभावी हो गया है।

इस खबर से कंपनी के शेयर में तेजी देखने को मिल रही है। क्लस्थ पर कंपनी का शेयर करीब पौने 2 बजे 0.78 रुपये या 2.27 फीसदी की मजबूती के साथ 35.13 रुपये पर है। इस भाव पर कंपनी की मार्केट कैपिटल 3,457.43 करोड़ रुपये है।

कंपनी में होगा विलय- ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स ने कहा कि इस कारोबार के बाद, घरेलू एक्सप्रेस डिस्ट्रिब्यूशन एंड कंसल्टिंग लॉजिस्टिक्स बिजनेसेज को ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स लिमिटेड में विलय कर दिया जाएगा। इससे बेहतर तालमेल और वैल्यू क्रिएशन के लिए ऑपरेशन को संरेखित किया जाएगा।

इस व्यवस्था योजना को राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ पहले ही 10 अक्टूबर को मंजूरी दे चुकी है। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने लेनदेन की रिकॉर्ड डेट 12 नवंबर को मंजूरी दे दी है, जिसके आधार पर ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स का शेयर इंटरनेशनल कारोबार से अलग ट्रेड करेगा।

ग्रो आईपीओ पर टूट पड़े एंकर इंवेस्टर्स, कर दिए 50000Cr के आवेदन; GMP कितना पहुंचा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेल्थ-टेक फर्म ग्रो का आईपीओ 4 नवंबर से खुलेगा। इसकी पैरेंट कंपनी है बिलियनब्रेन्स गैराज वेंचर्स लिमिटेड, जो अपना पब्लिक इश्यू 4 नवंबर को लाएगी। इससे पहले कंपनी ने अपना आईपीओ 3 नवंबर को एंकर निवेशकों के लिए खोल दिया है।

इसे पब्लिक के लिए IPO खुलने से पहले बड़े घरेलू म्यूचुअल फंड और विदेशी फंड से 50,000 करोड़ रुपये की बोलियां मिली हैं, जिसे आईपीओ के लिए शानदार रेस्पॉन्स माना जा रहा है।

15 गुना मिले आवेदन- लगभग 3,000 करोड़ रुपये की एंकर बुक को 15 गुना से ज्यादा ओवरसब्सक्राइब किया गया। इसमें 10 बड़े म्यूचुअल फंड में से आठ ने हिस्सा लिया। बड़े इंवेस्टर्स में SBI म्यूचुअल फंड, Sequoia Capital, Dragoneer Investment Group, और Coatue Management शामिल हैं। बताते चलें कि इसका आईपीओ 7 नवंबर को बंद होगा।

भारतीय और विदेशी क्रॉसओवर फंड्स की ओर से डिमांड ने भारत के सबसे बड़े और सबसे ज्यादा प्रॉफिट वाले फिनटेक स्टार्टअप्स में से एक की मजबूत डिमांड को दिखा दिया है।

आईपीओ की डिटेल- 29 अक्टूबर को, ग्रो ने अपना IPO प्राइस बैंड 95-100 रुपये घोषित कर दिया था, जिससे कंपनी की वैल्यू लगभग 62,500 करोड़ रुपये (7.1 बिलियन डॉलर) हो गई। 6,632 करोड़ रुपये के इस इश्यू में 1,060 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 5,572 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल शामिल है।

प्रॉफिट में है कंपनी- FY25 के लिए, बेंगलुरु स्थित इस फिनटेक कंपनी ने 4,056 करोड़ रुपये का रेवेन्यू और 1,899 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया। इसमें नेट मार्जिन 44.85त्न रहा। कई न्यू इकोनॉमी कंपनियों के उलट, ग्रो एक प्रॉफिटेबल फिनटेक कंपनी के रूप में मार्केट में आ रही है।

वोडाफोन आइडिया के एजीआर बकाया पर अब सुप्रीम कोर्ट से ये कैसा आया अपडेट? सीधे 14 फीसदी चढ़ गए शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वोडाफोन आइडिया के शेयरों में सोमवार, 3 नवंबर को 14% तक की बढ़ोतरी हुई। सुप्रीम कोर्ट के एजीआर बकाया पर एक महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी करने के बाद इसके शेयर जोरदार उछले। अब तक इस पर अनिश्चितता के बादल छाए हुए थे। वोडाफोन आइडिया शेयर में अप्रैल 2024 के बाद से यह सबसे बड़ी एकदिवसीय बढ़त है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वोडाफोन आइडिया ने अतिरिक्त एजीआर बकाया और सभी लंबित बकाया राशि के पुनर्मूल्यांकन, दोनों पर राहत मांगी थी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकार एजीआर बकाया के अतिरिक्त और पुनर्मूल्यांकन, दोनों पर राहत पर विचार करने के लिए स्वतंत्र है।

27 अक्टूबर को हुई पिछली सुनवाई में, इस बात पर अनिश्चितता थी कि अदालत का आदेश केवल वोडाफोन आइडिया की लगभग 9,500 करोड़ के अतिरिक्त एजीआर बकाया की याचिका पर लागू होगा। लगभग 80,000 करोड़ के पूरे लंबित एजीआर बकाया पर भी था। ऐसे में शेयर में गिरावट देखने को मिली।

सुप्रीम कोर्ट ने उस समय कहा था कि दूरसंचार कंपनी में केंद्र की हिस्सेदारी जैसे विशिष्ट तथ्यों और 20 करोड़ उपभोक्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए, उसे केंद्र द्वारा इस मुद्दे पर पुनर्विचार करने और उचित निर्णय लेने में कोई बाधा नहीं दिखती।

268% उछला अदाणी की इस कंपना का नेट प्रॉफिट, नतीजे आते ही तूफान बन गया शेयर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज कारोबारी गौतम अदाणी की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने सितंबर 2025 तिमाही के नतीजे जारी किए, जिसने बाजार में हलचल मचाकर रख दी है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 268त्न बढ़कर 1,765.71 करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 479.53 करोड़ रुपए था। अच्छे नतीजों का असर शेयर बाजार में भी दिखा और कंपनी का शेयर 3त्न तक उछलकर 582.70 रुपए के हाई पर पहुंच गया।

अंबुजा सीमेंट का रेवेन्यू और खर्च - दूसरी तिमाही में ऑपरेशंस से कंपनी की कंसोलिडेटेड आय 9,129.73 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल के 7,304.77 करोड़ रुपए से 25% ज्यादा है। खर्च भी बढ़कर 8,375.59 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक साल पहले यह 7,028.33 करोड़ रुपए था। सितंबर 2025 तक कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 67.68% रही।

स्पष्ट है कि रेवेन्यू और मुनाफा दोनों में दमदार ग्रोथ दिखी है। केवल छह महीनों में कंपनी ने पिछले साल के मुकाबले दो गुना से ज्यादा प्रॉफिट कमाया।

कैसी है शेयर की परफॉर्मेंस?- 3 नवंबर को BSE पर अंबुजा सीमेंट का शेयर 3% चढ़कर 582.70 रुपए तक पहुंच गया। इसके शेयरों ने पिछले 6 महीने में 6 फीसदी और पांच साल में 133 फीसदी से ज्यादा मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। 52 हफ्तों का हाई 625 रुपए (22 जुलाई 2025) और लो 452.90 रुपये (21 नवंबर 2024) है। कंपनी का मार्केट कैप करीब 1.42 लाख करोड़ रुपए के आसपास है।

क्यों खास हैं ये नतीजे- रेवेन्यू बढ़ने के साथ-साथ कंपनी ने लागत पर भी नियंत्रण बनाए रखा है। मांग मजबूत रही और बेहतर ऑपरेशन एफिशिएंसी की वजह से मुनाफे में रिकॉर्ड उछाल देखने को मिला। अंबुजा सीमेंट्स ने सितंबर तिमाही में मजबूत प्रदर्शन दिया है। मुनाफे की छलांग, बेहतर रेवेन्यू और शेयर में तेजी यह साफ दिखाते हैं कि कंपनी ग्रोथ के मोड में है। निवेशकों के लिए ये नतीजे पॉजिटिव सिग्नल माने जा रहे हैं।

ट्रेडिंग एप पर कब से दिखेंगे कमर्शियल व्हीकल कंपनी के शेयर, क्या है नया अपडेट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा मोटर्स के डिमर्जर को लेकर एक बड़ा अपडेट आया है।कंपनी की कमर्शियल व्हीकल यूनिट अब नए नाम से जानी जाएगी।

दरअसल, TML Commercial Vehicles Ltd. (TMLCV) का नाम बदलकर अब Tata Motors Limited कर दिया गया है।

यानी अब एक तरफ Tata Motors Passenger Vehicles (TMPV) पैसेंजर गाड़ियों का बिजनेस संभालेगी, और दूसरी तरफ टाटा मोटर्स कमर्शियल वाहनों (ट्रक, बस आदि) की जिम्मेदारी देखेगी।

क्या है नया अपडेट- टाटा मोटर्स की पैसेंजर व्हीकल यूनिट ने स्टॉक एक्सचेंज को दिए फाइलिंग में बताया कि TML Commercial Vehicles Limited का नाम अब आधिकारिक रूप से Tata Motors Limited कर दिया गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

छिंदवाड़ा के कफ सीरप मामले में डॉ. प्रवीण सोनी की फरार पत्नी ज्योति सोनी गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। जहरीले कफ सीरप कोल्ड्रिफ के सेवन से 24 मासूम बच्चों की मौत के सनसनीखेज मामले में एसआईटी ने आज एक और बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने मुख्य आरोपित डा. प्रवीण सोनी की फरार चल रही पत्नी और 'अपना मेडिकल' स्टोर की प्रोपराइटर ज्योति सोनी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से आगे की वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

डॉ. प्रवीण सोनी की गिरफ्तारी के बाद से ही ज्योति सोनी फरार थीं। एसआईटी द्वारा लगातार दी जा रही दबिश के बाद आखिरकार उन्हें हिरासत में ले लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ज्योति सोनी पर मुख्य रूप से दो गंभीर आरोप हैं जिसमें उनके मेडिकल स्टोर से जहरीली सिरप की अवैध बिक्री करना और बच्चों की मौत के बाद सबूत मिटाने का प्रयास करना शामिल है। इस मामले में जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ था कि सीरप की 74 बोतलों में से 66 बोतलें 'अपना मेडिकल' स्टोर और क्लीनिक से गायब थीं। एसआईटी को संदेह है कि साक्ष्य छिपाने के लिए यह स्टॉक जानबूझकर हटाया गया। गौरतलब है कि इस मामले में अब तक हुई गिरफ्तारियों की संख्या सात हो गई है।

जिनमें रंगनाथन गोविंदन~ श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स (तमिलनाडु) के मालिक, के महेश्वरी, कंपनी की महिला कर्मचारी, सैंपल और दस्तावेज़ फर्जीवाड़े में संलिप्त, डॉ. प्रवीण सोनी, बच्चों को सीरप लिखने का आरोपित डॉक्टर, राजेश सोनी न्यू अपना फार्मा एजेंसी संचालक, सौरभ जैन केमिस्ट, अपना फार्मा और सतीश वर्मा कंपनी का मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव शामिल है।

कमीशन डील और सप्लाई चेन की जांच जारी पुलिस और ड्रग विभाग की संयुक्त जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि डॉक्टरों और एजेंसी संचालकों के बीच कमीशन डील होती थी। एसआईटी इस जहरीली सीरप की कंपनी से लेकर स्थानीय मेडिकल स्टोर तक की अवैध सप्लाई चेन की परतें खोलने में जुटी है। एसआईटी ने संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में मामले में और गिरफ्तारियां संभव हैं।

RSS की शाखा में घुसकर स्वयंसेवकों से मारपीट, 14 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

बुरहानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की इच्छापुर शाखा में रविवार शाम गांव के कुछ युवकों द्वारा हंगामा और स्वयंसेवकों से मारपीट करने का मामला सामने आया है। शाहपुर थाना पुलिस ने इच्छापुर मंडल के कार्यवाह रितेश महाजन की शिकायत पर चौदह लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। हालांकि अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है।

रितेश महाजन ने पुलिस को बताया कि रविवार शाम पांच बजे से गांव के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल परिसर में शाााखा प्रारंभ हुई थी। प्रार्थना के दौरान इंद्रा नगर इच्छापुर के करीब पंद्रह युवक पहुंच गए और जय भीम का घोष करते हुए आरएसएस मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। इसके साथ ही अश्लील गालियां देना प्रारंभ कर दिया। उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो युवकों ने स्वयंसेवकों से मारपीट प्रारंभ कर दी। इस मारपीट में रितेश के साथ ही मोहित निंबाड़कर, भावेश महाजन को अंदरूनी चोट आई है। जाते समय आरोपितों ने यह भी धमकी दी कि दोबारा मैदान में नजर आने पर जान से मार देंगे। इस हमले को लेकर स्वयंसेवकों में रोष है। इनके खिलाफ केस दर्ज शाहपुर थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा ने बताया कि शिकायत के अनुसार सिद्धार्थ, अंकुश, रितिक नायके, पृथ्वीराज करोले, आदेश वाघ, अतुल वाघ, आशुदीप मेढ़े, राजवीर करोले, विवेक मेढ़े, अलपेश वाघ, शिवम, आर्यन, आकाश और एक अज्ञात युवक के खिलाफ मारपीट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। सूत्रों के अनुसार सोमवार को बौद्ध समाज के लोगों ने संघ के पदाधिकारियों से संपर्क कर समझौते का प्रयास किया था।

दिल्ली दंगे के आरोपित उमर खालिद निर्दोष , दिग्विजय सिंह बोले- उसके साथ न्याय होना चाहिए, BJP ने कहा- पाकिस्तान चले जाएं

भोपाल। दिल्ली दंगे के आरोपित जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद को लेकर दिग्विजय सिंह ने एक बार फिर विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ÷उमर खालिद बेकसूर है। उसके साथ बहुत अन्याय हो रहा है। पीएचडी स्कॉलर है और किसी भी मापदंड में राष्ट्रद्रोही नहीं है। उसे तत्काल रिहा किया जाना चाहिए।

उमर खालिद के साथ न्याय होना चाहिए

दिग्विजय सिंह इससे पहले भी कई बार उमर खालिद के समर्थन में बयान दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि पांच वर्षों से जेल में बंद उमर खालिद के साथ न्याय होना चाहिए। ज्ञात रहे कि उमर खालिद पर वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश रचने और भीड़ को भड़काने का आरोप है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (ष्ट) 2019 के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों में भी उसकी भूमिका बताई गई थी। अक्टूबर 2020 में दिल्ली पुलिस ने पूर्वोत्तर दिल्ली के खजूरी खास क्षेत्र में हुई आगजनी और तोड़फोड़ के एक मामले में भी उसके खिलाफ स्न्ढ्ढक्र दर्ज की थी। पुलिस का दावा है कि उसके पास खालिद और अन्य आरोपियों की संलिप्तता के पर्याप्त सबूत हैं।

क्चछ्वक्क ने दी तीखी प्रतिक्रिया

दिग्विजय सिंह के इस बयान पर क्चछ्वक्क ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भोपाल के हुजूर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि दिग्विजय सिंह को भारत की न्यायपालिका पर भरोसा नहीं है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय का व्यवहार पाकिस्तानी जैसा है और वे आतंकवादियों को सम्मान देते हैं। रामेश्वर शर्मा ने व्यंग्य करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह को पाकिस्तान जाकर बस जाना चाहिए क्योंकि उनके मन में आतंकवादियों के प्रति श्रद्धा है।

इस बयान ने एक बार फिर सियासी माहौल को गर्मा दिया है। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस नेता बार-बार ऐसे बयानों से देश के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं। वहीं कांग्रेस ने इसे मानवीय दृष्टिकोण से दिया गया बयान बताया है।

जनरल कैटेगरी के साथ हुआ अन्याय..., पदोन्नति नियम 2025 पर सपाक्स का विरोध, MP हाईकोर्ट में रखेगा पक्ष

भोपाल~ मध्यप्रदेश में लागू किए गए पदोन्नति नियम 2025 (स्क्क क्क्ष्द्वश्ल्ह्वश्ठ ऋह्वद्वह्य 2025) को लेकर सामान्य, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक अधिकारी-कर्मचारी संस्था (स्क्क्यस) ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सपाक्स का कहना है कि सरकार ने गलत नियम से पदोन्नत हुए कर्मचारियों को पदावनत नहीं करने का जो निर्णय लिया है, उसका विरोध किया जाएगा।

जबलपुर में सपाक्स रखेगा अपना पक्ष

12 नवंबर को हाईकोर्ट जबलपुर में सपाक्स की ओर से सरकार के नए नियमों को लेकर अपना पक्ष रखा जाएगा। संगठन का मुख्य तर्क है कि वर्ष 2002 के नियमों को सुप्रीम कोर्ट ने निरस्त कर दिया था, इसलिए उन्हीं नियमों के आधार पर अब पदोन्नति देना न्यायसंगत नहीं है। सपाक्स के संस्थापक अध्यक्ष केपीएस तोमर ने कहा कि सरकार ने नए नियम में सामान्य वर्ग के हितों की अनदेखी की है। पुराने नियमों की तरह ही नए नियम में भी वे प्रावधान दोहराए गए हैं, जिन्हें पहले ही अदालत ने खारिज कर दिया था। इससे पहले हाई कोर्ट ने उन कर्मचारियों को पदावनत करने के निर्देश दिए थे, जो गलत नियमों के तहत पदोन्नत हुए थे।

आदेश को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

हालांकि, सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जहां से यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश जारी हुए। इसका अर्थ हुआ कि फिलहाल किसी को न पदोन्नत किया जा सकता है और न ही पदावनत। अब सरकार ने उस लंबित याचिका को वापस लेने के बजाय नए पदोन्नति नियम 2025 लागू कर दिए हैं, जिसमें न तो क्रीमी लेयर का कोई प्रावधान है और न ही पुराने पदोन्नत कर्मचारियों के लिए पदावनति का।

सपाक्स का कहना है कि सरकार द्वारा प्रतिनिधित्व को लेकर जो डेटा प्रस्तुत किया गया है, वह विसंगतिपूर्ण है। आरक्षित वर्ग के वे अधिकारी जो अनारक्षित श्रेणी में पदोन्नति पाए हैं, उन्हें सामान्य वर्ग में गिना गया है, जबकि उनकी नियुक्ति आरक्षित श्रेणी में हुई थी। इससे संवर्ग की वास्तविक गणना प्रभावित हुई है।मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सभी विभागों को पदोन्नति की तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। संभावना जताई जा रही है कि यदि नवंबर में मामला सुलझ जाता है, तो इस वर्ष के भीतर ही पदोन्नतियां कर दी जाएंगी।

सपाक्स ने स्पष्ट किया है कि वह कोर्ट में अपने पक्ष को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व आदेशों और दिशा-निर्देशों की रोशनी में मजबूती से रखेगा। संगठन का कहना है कि न्याय और समान अवसर के सिद्धांतों की रक्षा के लिए यह संघर्ष जारी रहेगा।

इंदौर जिले में अग्नि सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन सतर्क, 10 प्रतिष्ठान सील

अग्नि सुरक्षा मानकों में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

इंदौर। हाल ही में इंदौर जिले में हुई अग्नि दुर्घटना को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए प्रशासन पूर्ण रूप से सजग और सतर्क है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिले में अग्नि सुरक्षा के मानकों की समीक्षा के लिए विशेष जांच अभियान प्रारंभ किया गया है। अभियान के अंतर्गत जिले के सभी एसडीएम द्वारा विभिन्न औद्योगिक, व्यावसायिक और भंडारण प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर अग्नि सुरक्षा उपकरणों की अनुपलब्धता, अग्निशमन की तैयारी में कमी तथा अन्य अनियमितताएं पाई गईं। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 10 कारखानों, गोदामों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को सील किया गया है।

आज राऊ क्षेत्र में एसडीएम श्री गोपाल वर्मा के दल द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। फायर सेफ्टी से संबंधित मानक का उल्लंघन होने के अलावा अन्य अनियमितता पाए जाने पर कॉटन सीड ऑयल का उत्पादन करने वाली चार फैक्ट्रियों को सील किया गया। दल द्वारा राऊ क्षेत्र की हनुमान ऑयल मिल, श्याम ऑयल मिल, जय श्री नेचुरल प्राइवेट लिमिटेड और घीया ऑयल प्रोडक्ट प्राइवेट लिमिटेड को मौके पर जाँच उपरांत सील किया गया। दल द्वारा ग्राम तेजपुर गड़बड़ी चोईथराम स्कूल के पीछे अवैध रूप से भण्डारित एसिड पर कार्यवाही करते हुए लगभग 45000 लीटर एसिड जप्ती की कार्यवाही की गई। साथ ही ग्राम पिगडम्बर में अवैध रूप से संचालित एक प्लास्टिक फैक्ट्री को सील करने की कार्यवाही व निर्धारित मानकों के अनुसार संचालन नहीं होने से तीन आईल फैक्ट्री को सील किया गया है।

इसी तरह जूनी इंदौर, सांवेर, मल्हारगंज, महू, बिचौली तहसील क्षेत्र में भी एक-एक प्रतिष्ठानों को सील किया गया। जूनी इंदौर क्षेत्र में एसडीएम श्री प्रदीप सोनी के दल द्वारा पालदा स्थित एस एम पेंट्स में अग्नि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर इकाई को सील किया गया। इसी प्रकार सांवेर क्षेत्र में एसडीएम श्री घनश्याम धनगर की टीम द्वारा फायर सुरक्षा उपकरण न होने से डकाच्या क्षिप्रा स्थित अपोलो टायर में गोडाउन को सील किया गया । गोडाउन में लगभग 40 हज़ार टायर बिना सुरक्षा मानक का पालन किए रखे हुए थे।

इसी तरह मल्हारगंज क्षेत्र में शांति नगर सेक्टर ई सांवेर रोड पर फेशियल नामक साबुन और क्रीम बनाने वाली रतन ऑर्गेनिक कंपनी पर एसडीएम मल्हारगंज सुश्री निधि वर्मा और डीसी विभाग के संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया की रतन ऑर्गेनिक द्वारा अग्नि सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं किया जा रहा था। इसके साथ ही यहां पर ज्वलनशील केमिकल एथेनॉल पाया गया। अग्नि सुरक्षा मानदंडों का पालन नहीं किए जाने के कारण फैक्ट्री को मौके पर सील किया गया।

डॉ. अम्बेडकर नगर महू क्षेत्र में एसडीएम श्री राकेश परमार और टीम द्वारा जाँच की कार्रवाई की गई। अग्नि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करते पाये जाने पर ग्राम पिपलिया लोहार, तहसील महु स्थित कृष्णांगी एग्रो फूड प्रायवेट लिमिटेड की इकाई को सील किया गया।

इसी प्रकार बिचौली क्षेत्र में केलौद करताल स्थित साँझ इंटरप्राइजेज द्वारा संचालित कमर्शियल एसिड तैयार करने की फैक्ट्री में अमानक स्थितियां पाई जाने पर एसडीएम श्री अजय शुक्ला, तहसीलदार श्री बलबीर राजपूत और दल द्वारा निरीक्षण कर कार्रवाई करते हुए यूनिट को सील किया गया। इस तरह आज की गई कार्रवाई में 10 कारखाने/गोडाउन सील किये गए।

सांवेर विधानसभा क्षेत्र में मिलेगी 2 करोड़ 80 लाख 50 हजार की 25 आंगनवाड़ी भवनों की सौगात

इंदौर। सांवेर विधानसभा क्षेत्र की 25 ग्राम पंचायतों को जल्द ही आंगनवाड़ी भवनों का उपहार मिलने जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया इन भवनों का भूमिपूजन करेंगी। मंत्री सुश्री भूरिया सोमवार, 3 नवम्बर को प्रातः सवा 11 बजे सांवेर पहुंचेंगी और यहां अंकित परिसर में आयोजित महिला सम्मेलन में सहभागिता करेंगी। साथ ही आँगनवाड़ी केन्द्रों का भूमिपूजन भी करेंगी।

जल संसाधन मंत्री एवं क्षेत्र के विधायक श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा सांवेर विधानसभा की 25 ग्राम पंचायतों में आंगनवाड़ी भवनों के निर्माण के लिए कुल 2 करोड़ 80 लाख 50 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। प्रत्येक भवन पर लगभग 11 लाख 22 हजार रुपए व्यय किए जाएंगे।

मंत्री श्री सिलावट ने इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह भवन ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में मील का पत्थर सिद्ध होंगे।

एमपी ई-सेवा पोर्टल से डिजिटल गवर्नेंस की नई क्रांति का हुआ आगाज

इंदौर। मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'एमपी ई-सेवा पोर्टल और मोबाइल ऐप' का शुभारंभ कर डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में नई क्रांति का आगाज किया। यह एकीकृत नागरिक सेवा मंच अब 56 विभागों की 1700 से अधिक सरकारी सेवाओं और योजनाओं को एक ही डिजिटल विंडो पर उपलब्ध करायेगा। 'एमपी ई-सेवा' के माध्यम से वर्ष 2026 तक 100त्न ई-सेवा डिलीवरी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रदेश को देश के डिजिटल गवर्नेंस एनेबल्ड राज्यों में अग्रणी बनाने वाले इस पोर्टल को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) के सेंटर फॉर एक्सीलेंस ने विकसित किया है। इससे नागरिकों, विभागों और सेवाओं को एक ही डिजिटल ईको-सिस्टम में जोड़कर मध्यप्रदेश ने यह सिद्ध किया है कि डिजिटल गवर्नेंस ही गुड गवर्नेंस है।

नागरिकों के लिए एक पोर्टल, सभी सेवाएँ एकीकृत- एमपी ई-सेवा पोर्टल पर राज्य शासन के 56 विभागों की 1700 से अधिक नागरिक सेवाओं को एकीकृत कर दिया गया है। अब इन सेवाओं के लिए अलग वेबसाइट पर लॉगइन करने और बार-बार दस्तावेज़ जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। नागरिक eseva.mp.gov.in और मोबाइल ऐप के माध्यम से सभी सेवाओं के लिए पात्रता जांच, आवेदन, स्टेटस चैक करने के साथ ही अनुमोदन भी प्राप्त कर सकते हैं। एमपी ई-सेवा पोर्टल पर सभी चरण आधार आधारित प्रमाणीकरण, ई-साइन और डिजिटल प्रमाणपत्र से सुरक्षित हैं। इससे प्रक्रिया पूरी तरह पेपरलेस और फेसलेस बन गई है।

'एमपी ई-सेवा' और 'समग्र पोर्टल' का एकीकरण- 'एमपी ई-सेवा' को समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन के समग्र पोर्टल से जोड़ा गया है।

प्रत्येक परिवार को 8-अंकीय परिवार आईडी और हर सदस्य को 9-अंकीय सदस्य आईडी दी गई है। यह एकीकरण नागरिकों की ऑटो-वेरिफिकेशन प्रक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे पात्रता की पहचान स्वतः ही हो जाती है और दोहराव अथवा देरी नहीं होती है। 'एमपी ई-सेवा' की प्रमुख विशेषता 'ऑटो-फेचिंग डॉक्युमेंट्स' है, जिससे नागरिकों को बार-बार दस्तावेज़ अपलोड नहीं करने पड़ते। एक बार अपलोड किए गए दस्तावेज़ आगे की सभी सेवाओं में स्वतः उपलब्ध हो जाते हैं।

सुगम, सुरक्षित और नागरिक केंद्रित 'ऐप डिज़ाइन'- 'एमपी ई-सेवा' पोर्टल का इंटरफ़ेस मोबाइल-फर्स्ट दृष्टिकोण पर आधारित है।

इसमें बहुभाषीय सुविधा उपलब्ध कराई गई है। साथ ही दिव्यांगजन के अनुप्रयोग को दृष्टिगत रखते हुए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है।

इससे शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों के उपयोगकर्ताओं के लिए उपयोग आसान होगा। प्रारंभिक मूल्यांकन तौर पर इससे गवर्नेंस लागत में लगभग 40 प्रतिशत की कमी आएगी साथ ही वर्ष भर में नागरिकों के 50 मिलियन घंटों की भी बचत होगी।

इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान का दिखने लगा है असर

इंदौर। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में चलाए गये स्वच्छता अभियान का असर दिखने लगा है। इंदौर से उज्जैन रोड की ग्राम पंचायत भाँगया, बारोली,रिंगनोडिया,सोलसिन्दा, तराना, कजलाना किंगडम आदि में पहले से पड़े प्लास्टिक कचरे सहित अन्य अपशिष्ट के ढेरों को हटाया गया। लगभग 70 स्थलों से लगभग 15 टन कचरा विगत 3 दिनों में साफ किया गया। संग्रहित कचरे को भाँगया के शेड में एकत्र किया गया है, जिसे प्रोसेस किया जाएगा। कचरा हटाये जाने का ये अभियान लगातार 1 माह तक जारी रहेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जैन ने बताया कि पंचायतों ने अपने गाँवो के कचरे डाले जाने वाले स्थलों को चिंहित कर लिया है जिसे लगातार हटाया जा रहा है। अभियान की मॉनीटरिंग जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा सतत की जा रही है। स्वच्छता अभियान के कार्य में लापरवाही करने वाले ग्राम पंचायत डकाच्या, पिरकार्डिया, बूढ़ी बरलाई, लसूड़िया,रंगवासा, काजी पलासिया और भाट खेड़ी के सचिवों को चेतावनी पत्र जारी किये गये। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने बताया गया कि अभियान में और तेजी लाई जायेगी। अभियान से जन प्रतिनिधियों को जोड़ा जाएगा।

वर्ष 2047 तक म.प्र. बनेगा 2.5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का प्रदेश : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 'मध्यप्रदेश2047' विजन डॉक्युमेंट राज्य को आर्थिक रूप से सशक्त, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और नागरिक जीवन की गुणवत्ता को उच्चतम स्तर तक पहुँचाने का रोडमैप है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विज़न डॉक्युमेंट में वर्ष 2047 तक प्रदेश को 2.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाले राज्य के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही प्रति व्यक्ति आय 22 लाख रुपये, औसत आयु 84 वर्ष और साक्षरता दर 100 प्रतिशत तक बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया गया है। कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को औद्योगिक और सेवा क्षेत्र के साथ संतुलित कर राज्य को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने की रूपरेखा तैयार की गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत2047' के विज़न से प्रेरित यह दृष्टिपत्र, संपन्न, सुखद और सांस्कृतिक जड़ों को सहेजे मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार करने का आधार बनेगा।

जनभागीदारी से तैयार 'समृद्ध मध्यप्रदेश2047' दृष्टिपत्र- यह विजन डॉक्युमेंट राज्य की अब तक की सबसे बड़ी जनभागीदारी प्रक्रिया के माध्यम से बनाया गया है। इसमें चार लाख से अधिक नागरिकों, किसानों, विद्यार्थियों, उद्योगपतियों, विशेषज्ञों और सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी रही है। राज्यभर में आयोजित जनसंवाद, निबंध प्रतियोगिताएँ, उद्योग जगत से परामर्श, शैक्षणिक सत्र और साइट इंस्पेक्शन से प्राप्त सुझावों को इसमें समाहित किया गया है। यह देश में अपनाई गई अनूठी प्रक्रिया है।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन के अनुसार÷यह दस्तावेज़ केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि नागरिकों की आकांक्षाओं और राज्य की सामूहिक दृष्टि का प्रतिबिंब है।

'समृद्ध मध्यप्रदेश2047' विजन डॉक्युमेंट चार प्रमुख मार्गदर्शक सिद्धांतों पर केन्द्रित है

1. आर्थिक विकास पर फोकस - राज्य की अर्थव्यवस्था को तीव्र गति से आगे बढ़ाने, रोजगार सृजन और प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने पर विशेष फोकस रखा गया है।

2. क्षेत्रीय दृष्टिकोण और स्थानीय विशिष्टताओं का समावेश ङ्क प्रदेश के विविध भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक स्वरूप को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक क्षेत्र के लिए अलग रणनीति बनाई गई है।

3. विकसित भारत2047 के राष्ट्रीय विज़न में योगदान पर ध्यान ङ्क मध्यप्रदेश को भारत की विकास यात्रा का प्रमुख भागीदार बनाना इस विजन डॉक्युमेंट का प्रमुख उद्देश्य है।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने किया फ्लायओवर निर्माण कार्यों का निरीक्षण

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज इंदौर में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा निर्मित किए जा रहे दो फ्लायओवरों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने एमआर-10 स्थित बेस्ट प्राइज के सामने और अर्जुन बड़ोद क्षेत्र में निर्माणाधीन फ्लायओवर के कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री रोशन राय सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और उन्हें निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता और

सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बताया गया कि वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु दो मिस्ट टावर लगाए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि आवश्यकता के अनुसार और भी मिस्ट टावर स्थापित किए जाएंगे, जिससे वायु गुणवत्ता बेहतर बनी रहे और प्रदूषण नियंत्रित हो सके। बताया गया कि दोनों निर्माणाधीन फ्लायओवरों की सर्विस रोड पर डामरीकरण का कार्य पूरा हो गया है, जिससे यातायात अब और अधिक सुलभ हो गया है। कलेक्टर श्री वर्मा ने अर्जुन बड़ोद क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए और निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों के पालन पर विशेष बल दिया।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

युवा अपनी मातृभाषा और संस्कृति से दूर जा रहा है, कतराता है अपने हस्ताक्षर हिंदी में करने से :प्रो राकेश ढंड

वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 'कृष्ण पाथेय' के रूप में ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं-डॉ. रमण सोलंकी

उज्जैन । अंग्रेजों ने हमारी सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने का प्रयास किया, इसलिए अब हमें अपनी भाषा और परंपरा को पुनर्जीवित करना होगा।

सम्राट् विक्रमादित्य विश्वविद्यालय की सतत् शिक्षा अध्ययनशाला एवं श्री उमा कन्या महाविद्यालय, हाटपिपलिया के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर अध्ययनशाला के सभागार में आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, के प्रदेश अध्यक्ष प्रो राकेश ढंड ने संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में उपरोक्त उद्गार व्यक्त किए ।

प्रो ढंड ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का युवा अपनी मातृभाषा और संस्कृति से दूर होता जा रहा है। वह अपने हस्ताक्षर हिंदी में करने से कतराता है, जबकि हिंदी हमारी

अस्मिता का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे अपने हस्ताक्षर हिंदी में करें और हिंदी को अपनी प्राथमिकता बनाएं।

इस आयोजन में श्री उमा कन्या महाविद्यालय, हाटपिपलिया द्वारा विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय ÷उज्जैन की प्राचीन और शैक्षणिक विरासत के ज्ञान ÷से अवगत करवाने के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा यात्रा का समापन भी कार्यशाला के कार्यक्रम के साथ हुआ।

कार्यशाला के शुभारंभ के विशिष्ट अतिथि पुरातत्वविद् डॉ. रमण सोलंकी एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अक्षय आचार्य रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सतत् शिक्षा अध्ययनशाला के प्रभारी संचालक डॉ. सुशील कुमार शर्मा ने की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीता जादौन सहायक प्राचार्य कृष्ण प्रताप सिंह, सहायक प्राध्यापिकाएँ कमल राठौर, जयश्री बवासकर एवं कार्यालय प्रभारी महेंद्र सिंह चौहान सहित महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहें।

विशिष्ट अतिथि पुरातत्वविद् डॉ. रमण सोलंकी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कालिदास अकादमी में हर वर्ष कालिदास के किसी ग्रंथ को थीम के रूप में चुना जाता है। इस वर्ष 'मालविका अग्निमित्रम्' को थीम बनाया गया है, जबकि अगले वर्ष 'मेघदूतम्' पर कार्य होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इस विषय पर चित्र या आलेख बनाकर कालिदास अकादमी में प्रस्तुत करें।

श्री पृथुकेश्वर, केदारेश्वर महादेव को 56 भोग लगाकर 51 बटुकों ने की महाआरती

उज्जैन। सोम प्रदोष त्रयोदशी पर पृथुकेश्वर महादेव एवं केदारेश्वर महादेव को 56 भोग लगाकर 51 बटुकों द्वारा महाआरती की गई।

अवंतिका महाकाल युवा तीर्थ पुरोहित समिति रामघाट अध्यक्ष अजय जोशी कुंडवाला गुरु द्वारा आयोजन 56 भोग महोत्सव में विशेष अतिथि नगर महामंत्री जगदीश पांचाल, नगर उपाध्यक्ष सोनल अजय जोशी, मनीष डब्बेवाला, वीरेंद्र त्रिवेदी, आचार्य अमृतेश त्रिवेदी, संजय जोशी कुंडवाला गुरु, प्रेम त्रिवेदी, आदित्य शर्मा, उज्जवल जोशी कुंडवाला गुरु, हनी नागर, जिया जोशी, शीला जोशी, पूजा जोशी, मनोरमा जोशी सहित समस्त तीर्थ पुरोहित पुजारी परिवार ने आरती की और प्रसाद वितरण किया गया।

पं. अजय जोशी ने बताया कि शिप्रा नदी के पास स्थित पृथुकेश्वर महादेव एवं केदारेश्वर महादेव मंदिर का विशेष महत्व है। जब केदारेश्वर के पट बंद होते हैं तो भगवान अवंतिका नगरी शिप्रा नदी छोटी रपट के पास केदारेश्वर के स्वरूप में यहां विराजमान रहते हैं। यहां जल, दूध चढ़ाने तथा भगवान के चरण का जल पीने से शरीर में पीड़ा, कष्ट हो, कैंसर जैसी बीमारी भी ठीक हो जाती है। महादेव पर घी चढ़ाने का विशेष महत्व है। यहां दर्शन करने वालों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है।

श्री मायापति हनुमान मंदिर में मनाएंगे श्री गुरुदेव का पाटोत्सव

उज्जैन। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा, प्रभु प्रेमी संघ स्थापना दिवस तथा जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री अवधेशानंद गिरि जी के पाटोत्सव पर श्री मायापति हनुमान मंदिर प्रांगण में 5 नवंबर को गुरु पद पूजन, सत्संग, भजन, महाआरती एवं भोजन प्रसादी का आयोजन किया जा रहा है।

मंदिर पुजारी गणेश राय ने बताया कि श्री मायापति हनुमान मंदिर सत्संग परिवार के सदस्यों द्वारा उक्त आयोजन 5 नवंबर बुधवार शाम को 5 बजे किया जाएगा। श्री मायापति हनुमान मंदिर, चरक भवन के सामने, सामाजिक न्याय परिसर, आगर रोड पर होने वाले इस धर्म कार्य में सभी गुरु भाई बहनों से पधारकर धर्म लाभ लेने का अनुरोध किया है।

क्षत्रिय मराठा समाज की वृद्ध बैठक में समाज उत्थान को लेकर हुई महत्वपूर्ण चर्चा

उज्जैन। 2 नवम्बर, रविवार को क्षत्रिय मराठा समाज की आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने हेतु रविवार को समाज की वृद्ध बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में समाज के आदरणीय वरिष्ठजन एवं वर्तमान कार्यकारिणी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बैठक का शुभारंभ तली भंडारा आयोजन से हुआ, जिसके पश्चात समाज की गौरवशाली बेटी, क्षत्राणि बबिता हटकर जी, जो हाल ही में निकोटेक्ष विभाग में डी.एस.पी. पद पर पदोन्नत हुई हैं, का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समाज की ओर से उनका पुष्पगुच्छ, शाल एवं श्रीफल देकर अभिनंदन किया गया। वर्तमान कार्यकारिणी के अध्यक्ष श्री अनिल धर्मे जी द्वारा दिए गए एजेंडे पर विस्तार से चर्चा की गई

बैठक में लिए गए मुख्य निर्णय-वरिष्ठ समाजजन समिति का गठन वरिष्ठों के सुझाव एवं सर्वसम्मति से यह समिति अति शीघ्र गठित की जाएगी। क्षत्रिय मराठा समाज महिला मंडल गठन ङ्क समाज की महिलाओं को अधिक सक्रिय भूमिका देने हेतु सौ. अर्चना चव्हाण जी को महिला शक्ति मंडल की अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया।

चंपाषष्ठी महोत्सव पत्रिका ङ्क महोत्सव के दौरान प्रतिदिन आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं पर चर्चा की गई तथा पत्रिका की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। देवउठनी एकादशी विशेष प्रतियोगिता का परिणाम घोषणा

अध्यक्ष श्री अनिल धर्मे जी की प्रेरणा से देवउठनी एकादशी के अवसर पर एक विशेष प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में समाज की महिलाओं ने अपने घर पर तुलसी विवाह की सुंदर सजावट एवं तैयारियों के वीडियो व फोटो भेजकर उत्साहपूर्वक भाग लिया।

अग्रवाल जेसीस ने कुलदेवी माँ लक्ष्मी, महाराजा अग्रसेन को छप्पन भोग लगाकर की महाआरती

अखिल भारतीय अग्रवाल वैवाहिक परिचय सम्मेलन को लेकर हुई बैठक

उज्जैन। श्री अग्रवाल जैसीस द्वारा कुलदेवी महालक्ष्मी एवं महाराजा अग्रसेनजी को छप्पन भोग लगाकर महाआरती का आयोजन अग्रवाल धर्मशाला गोला मंडी पर किया गया।

श्री अग्रवाल जैसीस के अध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल, सचिव मोहित अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव में अग्रवाल पंचायत न्यास के पूर्व अध्यक्ष एवं ट्रस्टी विजय अग्रवाल, पूर्व ट्रस्टी सुरेश गोयल, कैलाश मित्तल, जगदीशचंद्र गोयल, वरिष्ठ समाजसेवी महेश बजाज, ट्रस्टी संजय अग्रवाल, अजित मंगलम, मधुर गर्ग, जयकिशन अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी अनुराग जैन, सरोज अग्रवाल ने कुलदेवी महालक्ष्मी एवं महाराजा अग्रसेनजी की महाआरती की। आपने बताया कि कार्यक्रम स्थल को रंगोली, पुष्प सज्जा और झील मिल रोशनी से आच्छादित कर सजाया गया। इस अवसर पर जमकर आतिशबाजी भी की गई। महाप्रसादी के संयोजक महेश अग्रवाल को बनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला पुरुषों ने वातावरण को धर्म मय बना दिया। आपने बताया कि आगामी 20 एवं 21 दिसंबर को उज्जैन में होने वाले अखिल भारतीय अग्रवाल वैवाहिक परिचय सम्मेलन को लेकर एक वृहद बैठक भी आयोजित की गई। इस बैठक को सम्मेलन के संयोजक विजय अग्रवाल ने संबोधित कर विस्तृत जानकारी देते हुए अखिल भारतीय अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की एवं विभिन्न समितियां बनाकर जिम्मेदारियां दी। इस अवसर पर अग्रवाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष इंद्रेश अग्रवाल ने अयोध्या सनातन धर्म यात्रा को लेकर पंजीयन एवं इसकी रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर जगदीश अग्रवाल, महिला जैसीस की अध्यक्ष संध्या अग्रवाल, नीलम मित्तल, रंजीता अग्रवाल, रेखा गुप्ता, मीनल अग्रवाल, कविता मंगलम, मीना शाह, राजेंद्र अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, अजय गर्ग, राजेश गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, विनोद अग्रवाल, श्लोक अग्रवाल, पवन अग्रवाल, डॉ नरेंद्र अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, मुकेश मालाकंठी, राजेश मैदावाला, महेश अग्रवाल, आयुष चौधरी, संदीप बिंदल, हरीश मित्तल, मनोहर गर्ग, दीपक अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, शर्मिला गुप्ता, सीमा अग्रवाल, रेनू अग्रवाल, साहिल मैदा वाला पीयूष अग्रवाल आदि बड़ी संख्या में समाज उपस्थित थे। अंत में आभार जगदीश गोयल ने माना।

प्रयागराज में सब जूनियर राष्ट्रीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे उज्जैन के खिलाड़ी

उज्जैन। प्रयागराज में राष्ट्रीय जिम्नास्टिक प्रतियोगिता सब जूनियर बालक बालिका 6 नवंबर से 9 नवंबर तक आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में उज्जैन से सब जूनियर बालक वर्ग में लक्ष्य सिंह कुशवाह, हरिकेश परमार, अनुराग दागी, विहान सोलंकी, बालिका वर्ग में लक्षिता मेवाड़ा, सपना सावंत, अपेक्षा राठौर मध्य प्रदेश की ओर से भाग लेंगे। जिम्नास्टिक एसोसिएशन के अध्यक्ष सावन बजाज और सचिव ओपी शर्मा के अनुसार जिम्नास्टिक कोच के रूप में नरेन्द्र श्रीवास्तव तथा मैनेजर के रूप में सुनील सिंह कुशवाह जाएंगे। निर्णायक के रूप में अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक आरएल वर्मा को आमंत्रित किया गया है। साथ ही राज्य की ओर से निर्णायक के रूप में राजकुमार सोलंकी जाएंगे। एसोसिएशन के संरक्षक नारायण यादव, संरक्षक कलावती यादव सहित नवीन आर्य, एमजी सुपेकर, संजय जौहरी, मनोहर शर्मा, राकेश खिंची, सुनील जाधव, केके खंडेलवाल, विजय झाला, विनाश श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com